CBSE Class 07 Hindi

NCERT Solutions

पाठ- 12 कंचा

1. कंचे जब जार से निकलकर अप्पू के मन की कल्पना में समा जाते हैं, तब क्या होता है?

उत्तर:- कंचे जब जार से निकलकर अप्पू के मन की कल्पना में समा जाते हैं तो वह उनकी ओर पूरी तरह से सम्मोहित हो जाता है। उसे लगता है कि जैसे कंचों का जार आसमान-सा बड़ा हो गया और वह उसके भीतर चला गया। वहाँ उसके अलावा और कोई नहीं था। वह अकेला ही कंचों को चारों ओर बिखेरता हुआ मजे से खेल रहा था। हरी लकीर वाले, सफ़ेद आँवले से गोल-गोल कंचे उसके दिमाग में पूरी तरह से छा गए।जब मास्टर जी कक्षा में "रेलगाड़ी" वाला पाठ पढ़ा रहे थे,तब उस समय भी उसके दिमाग में कंचों का ही खेल चल रहा था। उसे मास्टरजी द्वारा बनाया गया बॉयलर भी कंचे के जार जैसा ही नज़र आ रहा था। उसने कंचों के चक्कर में मास्टर जी से डाँट भी खाई लेकिन उसका दिमाग तो केवल कंचों के बारे में ही सोच रहा था।

2. दुकानदार और ड्राइवर के सामने अप्पू की क्या स्थिति है? वे दोनों उसको देखकर पहले परेशान होते हैं, फ़िर हँसतें हैं। कारण बताइए।

उत्तर:- दुकानदार व ड्राइवर के सामने अप्पू एक छोटा-सा नादान बच्चा है जो अपनी ही खेल की दुनिया में हमेशा मस्त रहता है। दुकानदार उसे देखकर पहले परेशान होता है क्योंकि वह बड़े ध्याान से कंचे देख तो रहा था लेकिन खरीद नहीं रहा था। उसे यह भी लग रहा था, कहीं वह जार को गिरा कर तोड़ न दे फ़िर जैसे ही अप्पू ने कंचे ख़रीदे तो वह हँस दिया।

ऐसे ही जब अप्पू के कंचे सड़क पर बिखर जाते हैं तो सामने तेज़ रफ़्तार से आती कार का ड्राइवर यह देखकर परेशान हो जाता है कि दुर्घटना की परवाह किए बिना,वह सड़क पर बैठा कंचे बीन रहा था लेकिन जैसे ही अप्पू ने उसे इशारा करके अपना कंचा दिखाया तो वह उसकी बचपन की शरारत समझकर हँसने लगा।

इस प्रकार दुकानदार और ड्राइवर पहले अप्पू की हरकतों से खीझते हैं और बाद में उसकी बालसुलभ चंचलता देखकर हँस पड़ते हैं।

3. 'मास्टर जी की आवाज़ अब कम ऊँची थी। वे रेलगाड़ी के बारे में बता रहे थे।'

मास्टर जी की आवाज़ धीमी क्यों हो गई होगी? लिखिए।

उत्तर:- पाठ के शुरुआत में मास्टर साहब सब बच्चों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए शायद ऊँची आवाज़ में बात कर रहे थे पर जब उन्हें लगा कि अब सब बच्चे उनकी बात को ध्यान से सुन रहे हैं तब उन्होंने पाठ समझाने की मुद्रा अपनाने के कारण अपनी आवाज़ को धीमा कर दिया होगा ताकि सभी उनकी बात समझ सकें।

4. कंचे, गिल्ली-डंडा, गेंदतड़ी (पिट्ठू) जैसे गली-मोहल्लों के कई ऐसे खेल हैं जो बच्चों में बहुत लोकप्रिय हैं। आपके इलाके में ऐसे कौन-कौन से खेल खेले जाते हैं? उनकी सूची बनाइए।

उत्तर:- हमारे इलाके में लगोरी, पतंग उड़ाना, कबड्डी, खो-खो, क्रिकेट आदि खेल खेले जाते हैं।

5. किसी एक खेल को खेले जाने की विधि को अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर:- गिल्ली-डंडा : इस खेल में एक स्थान पर छोटा-सा गड्ढा बना दिया जाता है। उस पर लकड़ी की एक गिल्ली रखी जाती है। इस

गिल्ली को प्रतिदंद्वी खिलाड़ी एक नुकीले डंडे से ऊपर उछालता है। दूसरे खिलाड़ी उस गिल्ली को लपकने का प्रयास करते हैं। यदि गिल्ली लपक ली जाती है तो खिलाड़ी आउट माना जाता है।

6. आप कहानी को क्या शीर्षक देना चाहेंगे?
उत्तर:- 'सफ़ेद बड़े आँवले से कंचे'

• भाषा की बात
7. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित मुहावरे किन भावों को प्रकट करते हैं? इन भावों से जुड़े दो-दो मुहावरे बताइए और उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए।
1. माँ ने दाँतों तले उँगली दबाई।
2. सारी कक्षा साँस रोके हुए उसी तरफ़ देख रही है।
उत्तर:-

मुहावरा	भाव	वाक्य
दाँतों तले उँगली दबाना 1. हैरान होना 2. विस्मित होना	आश्चर्य	1.कारीगरों की नक्काशी देखकर मैं हैरान हो गया। 2. झाँसी की रानी की वीरता देखकर अँग्रेज भी विस्मित हो उठे।
साँस रोके हुए 1. दम साधे खड़े रहना 2. प्राण सूख जाना	डर के मारे	1. इतने लंबे साँप को सभी दम साधे देख रहे थे। 2. पिताजी को गुस्से में देखते ही मेरे प्राण सूख गए।

8. विशेषण कभी-कभी एक से अधिक शब्दों के भी होते हैं। नीचे लिखे वाक्यों में रेखांकित हिस्से क्रमशः रकम और कंचे के बारे में बताते हैं इसलिए वे विशेषण हैं।
1.पहले कभी किसी ने इतनी बड़ी रकम से कंचे नहीं खरीदे।
2.बढ़िया सफ़ेद गोल कंचे ।
इसी प्रकार कुछ विशेषण नीचे दिए गए हैं इनका प्रयोग कर वाक्य बनाएँ -
1. ठंडी अँधेरी रात 2. खट्टी-मीठी गोलियाँ 3. ताज़ा स्वादिष्ट भोजन 4. स्वच्छ रंगीन कपड़े
उत्तर:- 1. उफ़ ! आज की रात बड़ी ठंडी अँधेरी रात है। 2. इतनी सारी खट्टी-मीठी गोलियाँ माँ लेकर आई हैं।
3. चलो बच्चों, 'ताज़ा स्वादिष्ट भोजन आपकी प्रतीक्षा कर रहा है।' 4. स्वच्छ रंगीन कपड़े हमारी रानी बेटी पहनेगी।